

समाज कार्य में स्नातक उपाधि

(बी.एस.डब्ल्यू.- द्वितीय वर्ष)

सत्रीय कार्य : 2016-17

पाठ्यक्रम शीर्षक

बी.एस.डब्ल्यू.ई.-002 : व्यक्तियों और समूहों के साथ समाज कार्य अंतःक्षेप

बी.एस.डब्ल्यू.ई.-004 : परिवार जीवन शिक्षा का परिचय

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीख:

जुलाई 2016 सत्र - मार्च 31, 2017

जनवरी 2017 सत्र - सितम्बर 30, 2017



समाज कार्य विद्यापीठ

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110 068

प्रिय विद्यार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के बी.एस.डब्ल्यू कार्यक्रम में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातक होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप हमारी मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधारने के लिए अपनी योग्यता प्रमाणित कर सकें। बी.एस.डब्ल्यू कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

- अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के बी.एस.डब्ल्यू अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।
- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- परीक्षा फार्म समय पर भरें।
- अपने प्रयोगात्मक कार्य व्यावसायिक रूप से योग्य समाज कार्यकर्ता जिसके पास एम.एस.डब्ल्यू/ एम.ए. (समाज कार्य) की उपाधि हो और जिसे आपके अध्ययन केंद्र ने आपको उपलब्ध कराया हो केवल उसके मार्गदर्शन में ही करें।

बी.एस.डब्ल्यू द्वितीय वर्ष के लिए आपको बी.एस.डब्ल्यू.ई.-002, बी.एस.डब्ल्यू.ई.-004 और अन्य आधार पाठ्यक्रम के लिए प्रत्येक का एक-एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

जुलाई 2007 सत्र से बी.एस.डब्ल्यू के सभी विद्यार्थियों को क्षेत्र कार्य (समाज कार्य प्रैक्टिकम): 35% अंकों के साथ उत्तीर्ण करना अनिवार्य है जिसे आप निम्नलिखित से प्राप्त करेंगे :

(i) क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक, और (ii) बाह्य परीक्षक

समाज कार्य अभ्यास (प्रैक्टिकम) में उत्तीर्ण होने के आपके अवसर, उस पर्यवेक्षक पर निर्भर है जो आपका मार्गदर्शन करेगा। याद रखिए कि केवल योग्यता प्राप्त पर्यवेक्षक जिसके पास एम.एस.डब्ल्यू/ एम.ए. (समाज कार्य) की उपाधि है, वही आपके क्षेत्र कार्य के लिए आपका मार्गदर्शन करने के लिए पात्र है। यदि इस संबंध में आप कोई कठिनाई अनुभव करते हैं तो आप इसके बारे में अध्ययन केंद्र के अपने संचालक से चर्चा कर सकते हैं। आप समाज कार्य विद्यापीठ में डॉ. सायन्तनी, कार्यक्रम संयोजक, ई-मेल: sayantani@ignou.ac.in पर संपर्क कर सकते हैं।

बीएसडब्ल्यू कार्यक्रम करने के लिए आपके पास 6 साल हैं। जर्नल जमा करने के लिए कोई विशिष्ट समय सीमा नहीं है। आप यह सुनिश्चित करें कि 6 वर्षों में आपने थ्योरी और प्रैक्टिकम पूर्ण कर लिए हैं। आप अपना जर्नल अध्ययन केंद्र में किसी भी समय जमा कराने के लिए स्वतंत्र हैं। मूल्यांकन विभाग जर्नल का मूल्यांकन साल में दो बार यानि कि जून और दिसंबर के सत्रांत परीक्षा के साथ करता है। इस उद्देश्य के लिए आप जर्नल क्रमशः 30 मई और 30 नवंबर तक मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू नई दिल्ली में अवश्य जमा करा दें।

आप अपना क्षेत्र कार्य जर्नल अपने क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक (Field Work Supervisor) के पास जमा करा सकते हैं। क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक आपकी रिपोर्ट का मूल्यांकन करने के बाद इसे आपके अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास भेज देगा ताकि यह कुलसचिव, विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इ.गां.रा.मु.वि., मैदान गढ़ी, नई दिल्ली को प्रेषित किया जा सके।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए 30% भारित देते हैं। सत्रीय कार्य हस्तलिखित और साफ तौर पर टाईप और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए।

सत्रीय कार्य-प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़ें जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसर्स के साथ चर्चा करें जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करें, उस पर आवश्यक सुधार करें और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के एक परिचय है, मुख्य भाग के लिए एक उप-शीर्षक और एक निष्कर्ष हो। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़ें। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

चूंकि समाज कार्य एक व्यावसायिक अध्ययन कार्यक्रम है, इसलिए विद्यार्थियों को नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया (एन.ए.पी.एस.डब्ल्यू.आई.) में विद्यार्थी सदस्यता लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। अधिक जानकारी के लिए आप www.napswi.org पर लॉग ऑन कर सकते हैं। आप समाज कार्य और इससे जुड़े विषयों पर संबंधित सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशाला में भाग भी लेना चाहेंगे। NAPSWI e-journal आपको नियमित आधार पर अन्य सूचना के साथ-साथ यह जानकारी प्रदान करेगा जो समाज कार्यकर्ताओं और अर्ध-व्यावसायिकों के लिए अत्यंत उपयोगी है।

समाज कार्य विद्यापीठ द्वारा आयोजित किए जाने वाले सेमिनार, कान्फ्रेंस और समाज कार्य व्यावसायिकों एवं विद्यार्थियों की बैठकों के बारे में जानकारी के लिए www.ignou.ac.in पर लॉग आन करें, विद्यापीठ पर क्लिक करें और फिर समाज कार्य विद्यापीठ पर क्लिक करें।

(डॉ. सायन्तनी गुइन)
कार्यक्रम संयोजक

व्यक्तियों और समूहों के साथ समाज कार्य अंतःक्षेप

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : बी.एस.डब्ल्यू.ई.-002

कुल अंक : 100

नोट : i) सभी पाँचों प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ii) सभी पाँचों प्रश्नों के अंक समान हैं।

iii) प्रश्न संख्या 1 और 2 के उत्तर (प्रत्येक) 500 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

- 1) "साम्यवाद एक विचारधारा है" टिप्पणी करें। समकालीन भारत में साम्यवाद की उत्पत्ति के कारणों की चर्चा करें और साम्यवाद से निपटने के लिए परिप्रेक्ष्य उपायों का बताएं। 20
अथवा
समूह प्रक्रिया में सामाजिक समूह कार्यकर्ता की भूमिका की व्याख्या करें। 20
- 2) सामाजिक वैयक्तिक कार्य अभ्यास के विभिन्न क्षेत्रों की चर्चा करें। 20
अथवा
भारतीय कानून व्यवस्था और इसकी हाशिए समूह के लिए प्रासंगिकता का वर्णन करें। 20
- 3) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 250 (प्रत्येक) शब्दों में दीजिए।
 - क) आर्थिक विकास और सामाजिक विकास के बीच संबंधों को चित्रित करें। 10
 - ख) सामाजिक नीति को परिभाषित करें। सामाजिक नीति के उद्देश्यों को लिखें। 10
 - ग) पलायन और विस्थापन पर लघु नोट लिखें। 10
 - घ) "परिवार में समस्याएं बहुमुखी हैं"। चर्चा करें। 10
- 4) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर 150 (प्रत्येक) शब्दों में दीजिए।
 - क) नैदानिक और कार्यात्मक स्कूल के बीच अंतर करें। 5
 - ख) सामाजिक समूह कार्य के प्रकार के बारे में लिखें। 5
 - ग) सामाजिक रक्षा दृष्टिकोण की विशेषताओं की चर्चा करें। 5
 - घ) सामाजिक और मनोवैज्ञानिक कारक जो बीमारियों और उनके इलाज को प्रभावित करते हैं, गणना करें। 5
 - ड) समाजवाद से आप क्या समझते हैं? समाजवाद के गुणों व अवगुणों की सूची बनाएं। 5
 - च) उच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र और कार्यों की चर्चा करें। 5
- 5) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर 100 (प्रत्येक) शब्दों में दीजिए।
 - क) सामाजिक वैयक्तिक कार्य साक्षात्कार 4
 - ख) प्राथमिक और माध्यमिक समूह 4
 - ग) भ्रष्टाचार का प्रभाव 4
 - घ) सामुदायिक स्कूल मॉडल 4
 - ड) मानव विकास 4
 - च) उत्प्रेक्षण-लेख (Writ of Certiorari) 4
 - छ) लिंग भेदभाव 4
 - ज) अपीलिय अधिकार क्षेत्र 4

परिवार जीवन शिक्षा का परिचय

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : बी.एस.डब्ल्यू.ई.-004

कुल अंक : 100

नोट : i) सभी पाँचों प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ii) सभी पाँचों प्रश्नों के अंक समान हैं।

iii) प्रश्न संख्या 1 और 2 के उत्तर (प्रत्येक) 500 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

- 1) परिवार कल्याण कार्यक्रमों को पहचानें व आकलन करें। 20
अथवा
दहेज निषेध अधिनियम, 1961 के विभिन्न महत्वपूर्ण प्रावधानों का वर्णन करें। 20
- 2) विवाह को परिभाषित करें। विवाह के कार्य और उद्देश्यों की चर्चा करें। 20
अथवा
तलाक के कारण विभिन्न मनोवैज्ञानिक और व्यवहारपरक बदलावों का वर्णन करें। 20
- 3) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 250 (प्रत्येक) शब्दों में दीजिए।
 - क) उम्र वृद्धि प्रक्रिया से जुड़ी सामान्य समस्याएं कौन सी हैं? 10
 - ख) विभिन्न प्रकार के गर्भपात की व्याख्या करें। 10
 - ग) लोगों द्वारा अपनाई जाने वाली कुछ आम परिवार नियोजन पद्धतियों की चर्चा करें। 10
 - घ) युवाओं की वृद्धि और विकास से संबंधित चिंताजनक कारकों की सूची बनाएं। 10
- 4) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर 150 (प्रत्येक) शब्दों में दीजिए।
 - क) दहेज मृत्यु पर एक लघु नोट लिखें। 5
 - ख) परिवार जीवन शिक्षा प्रदान करने में परिवार की भूमिका की संक्षेप में व्याख्या करें। 5
 - ग) सीखने की प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले कारकों को सूचीबद्ध करें। 5
 - घ) एक रणनीति के रूप में निवारक स्वास्थ्य कार्यक्रमों की चर्चा करें। 5
 - ङ) यौन स्वास्थ्य शिक्षा की प्रस्तावना के पीछे क्या औचित्य है, व्याख्या करें। 5
 - च) यौन स्वास्थ्य शिक्षा में जागरूकता पैदा करने में मीडिया की क्या भूमिका है? 5
- 5) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर 100 (प्रत्येक) शब्दों में दीजिए।
 - क) अलगाव और वियोग 4
 - ख) भूमिका संघर्ष 4
 - ग) परिवार के कार्य 4
 - घ) वंशानुगत बंदोबस्ती 4
 - ङ) यौन स्वास्थ्य शिक्षा 4
 - च) दहेज 4
 - छ) इद, अहंकार और अतिअहंकार (Id, Ego and Superego) 4
 - ज) पारिवारिक मूल्य और संबंध 4

